Bihar Board Class 11th Hindi Book Solutions गद्य Chapter 5 चलचित्र

चलचित्र पाठ्य पुस्तक के प्रश्न एवं उनके उत्तर

प्रश्न 1.
क्या लेखक ने चलचित्र को शिल्प माना है? चलचित्र को शिल्प न मानने वाले इस पर क्या आरोप लगाते हैं?
उत्तर-
चलचित्र शिल्प है या नहीं इसे लेकर अलग-अलग लोगों के अलग-अलग विचार हैं। इसे शिल्प न माननेवालों के अनुसार इसकी कोई निजी सत्ता नहीं है। यह पाँच तरह के शिल्प साहित्य से मिश्रित एक पंचमेल बेढब वस्तु है।

परंतु, विश्वविख्यात निर्माता-निर्देशक सत्यजीत राय ने चलचित्र को शिल्प के अंतर्गत रखा है। सत्यजीत राय के अनुसार, जिस प्रकार लेखक द्वारा कहानी की रचना होती है, उसी प्रकार फिल्म-निर्माता के द्वारा बिंब और शब्द की। इन दोनों के संयोग से जो भाषा बनती है, उसके प्रयोग में यदि कुशलता का अभाव रहे. तो फिर अच्छी फिल्म नहीं बन सकती है। इसलिए यह शिल्प भी है। उन्होंने यह भी कहा है कि सारी गड़बड़ी 'शिल्प' शब्द के कारण हुई है। इसे शिल्प के बजाय भाषा कहना कहीं उचित है। फिर, उनके अनुसार, यह ठीक है कि चलचित्र में विभिन्न शिल्प साहित्यों के लक्षण हैं तथापि यह उन सबसे भिन्न और विशिष्ट है।

प्रश्न 2.
चलचित्र एक भाषा है। यह किन दो चीजों के संयोग से बनती है। लेखक ने इस भाषा के प्रयोग में किस चीज की अपेक्षा रखी है और क्यों?
उत्तर-
लेखक सत्यजीत राय के अनुसार चलचित्र एक भाषा है। यह भाषा बिंब (इमेज) और शब्द या ध्वनि (साउंड) के संयोग से बनती है।

लेखक के अनुसार बिंब और ध्वनि के संयोजन में पर्याप्त कुशलता अपेक्षित है। इसके लिए रचयिता का व्याकरण पर पूर्ण अधिकार भी आवश्यक है। तभी फिल्म का कथ्य सशक्त रूप में व्यक्त हो सकता है।

प्रश्न 3.
चलचित्र में विभिन्न शिल्प साहित्यों के लक्षण किस प्रकार समाहित हैं?
उत्तर-
चलचित्र एक ऐसा शिल्प है, जिसके अंतर्गत विभिन्न शिल्प साहित्यों के लक्षण समाहित रहते हैं। इसमें नाटक का द्वंद्व, उपन्यास का कथानक एवं परिवेश-वर्णन, कविता की भावमयता, संगीत की गति एवं छंद, पेंटिंग सुलभ प्रकाश-छाया की व्यंजन-इस सारी वस्तुओं को चलचित्र में स्थान मिल चुका है।

प्रश्न 4.
चलचित्र निर्माण कार्य को मोटे तौर पर किन पर्यायों में विभक्त किया
जाता है? प्रत्येक का संक्षिप्त परिचय दें।
उत्तर-
चलचित्र निर्माण कार्य को मोटे तौर पर तीन पर्यायों में विभक्त किया जाता है। पहला पर्याय है-चलचित्र नाट्य-रचना

(सिनेरिओ)। दूसरा पर्याय है-चलचित्र नाट्य के अनुसार विभिन्न परिवेशों का चुनाव या निर्माण करके उन परिवेशों में चरित्रों के अनुसार लोगों से अभिनय कराकर उनकी तस्वीरें लेना (शूटिंग) तथा तीसरा और अंतिम पर्याय है-खंड-खंड रूपों में ली गई तस्वीरों को चलचित्र के अनुसार क्रमबद्ध सजाना (एडिटिंग)। चलचित्र नाट्य फिल्म का फलक है। बिंब और ध्वनि के माध्यम से परदे पर जो व्यक्त होता है, वह उसका लिखित संकेत है।

प्रश्न 5.
शॉट्स किसे कहते हैं?
उत्तर-
फिल्म के अंतर्गत विभिन्न अंशों को एक ही दृष्टिकोणों से न दिखाकर तोड़-तोड़कर विभिन्न दृष्टिकोणों से दिखाया जाता है। इन्हीं खंडों को 'शॉट्स' कहते हैं।

प्रश्न 6.
'पथेर पांचाली' किसकी उपन्यास है? पाठ में 'पथेर पांचाली' के जिस कथा अंश का उल्लेख है, उसका सारांश लिखें।
उत्तर-
पथेर पांचाली' विभूति भूषण बंधोपाध्याय का एक प्रसिद्ध उपन्यास है। प्रस्तुत पाठ में उसके जिसं कथांश का उल्लेख है, उसका सारांश इस प्रकार है-हरिहर, जो विदेश गया हुआ है, घर वापस लौट रहा है। स्वदेश के स्टेशन पर उतरने के बाद पैदल ही वह इधर-उधर ध्यान दिये बिना बड़ी तीव्रता से अपने घर पहुंचता है। उसकी नजर घर के बगल की बँसवाड़ी पर पड़ती है और यह देखकर यह झुंझलाता है कि बाँस दीवार पर झुक आया है। तदनंतर आँगन में जाकर वह अभ्यासवश स्नेहासिक्त स्वर में अपने बेटे-बेटी अपू एवं दुर्गा को पुकारता है।

उसकी आवाज सुनकर उसकी पत्नी सर्वजया बाहर निकलती है। हरिहर उससे घर का कुशल-मंगल पूछता है, पर सर्वजया कोई जवाब न देकर बड़े शांत और गंभीर भाव से उसे कमरे के अंदर बुलाती है। हरिहर के मन में बेटे-बेटी को लेकर तरह-तरह के भाव उठते हैं। इसी बीच वह उन लोगों के लिए अपने साथ लाये सामानों की चर्चा करते हुए तनिक निराश होकर हरिहर अपू और दुर्गा के बारे में पुनः पूछता है।

इस पर शांत और संयत सर्वजया अपने को रोक नहीं पाती और पुत्री
दुर्गा के दिवंगत होने का शोक समाचार सुनाती है।

प्रश्न 7.
चलचित्र में हरिहर अपने घर वालों के लिए कौन-कौन-सी चीजें लाता है?
उत्तर-
चलचित्र में नायक हरिहर अपने घर वालों के लिए निम्नलिखित चीजें लाता है-शीशे से मढ़ा लक्ष्मीजी का पट, बेल-कटहल की लकड़ी का चकला-बेलन, साड़ी, टीन की रेलगाड़ी आदि।

प्रश्न 8.
दुर्गा की मृत्यु किस कारण से हुई?
उत्तर-
दुर्गा चैत की पहली वर्षा में भीगने के कारण बीमार पड़ती है। इसी बीमारी से उसकी मृत्यु हुई।

प्रश्न 9.
हांडी के ढक्कन का उठना-गिरना किस बात को दिखाने में सहायक हुआ है? इसे 'क्लोज अप' में क्यों दिखाया गया है?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर-
चलचित्र में हांडी के ढक्कन का उठना-गिरना सर्वजया की रुद्ध और दग्ध मनः स्थिति की व्यंजना में सहायक सिद्ध हुआ है। इसे-क्लोज़ अप के द्वारा प्रदर्शित किया गया है, क्योंकि इसके बिना वस्तुस्थिति की अभिव्यक्ति मुश्किल थी।

प्रश्न 10.
शंख की चूड़ी के कंपन से क्या महसूस करा दिया गया है?
उत्तर-
चलत्रित में सर्वजया के हाथों में पड़ी शंख की चूड़ी के कंपन से दर्शकों को उसके हृदय का कंपन महसूस करा दिया गया है।

प्रश्न 11.
सर्वजया का पानी ढालना, पीढ़ा ले आना, अंगोछा ले आना, खड़ाऊँ ले आना-ये सभी कार्य-व्यापार दर्शकों पर कैसा प्रभाव छोड़ते हैं? और क्यों?
उत्तर-
हरिहर के प्रश्नों के उत्तर में कुछ न कहकर सर्वजया का पानी ढालना, पीढ़ा ले आना, अंगोछा ले आना, खड़ाऊँ ले आना-ये सभी कार्य-व्यापार दर्शकों को अधीर बना देते हैं कि पता नहीं कब और कैसे हरिहर को हृदय विदारक समाचार मालूम होगा। ऐसी अधीरता और बेचैनी इसलिए होती है कि दर्शक दुर्गा की मृत्यु की मर्मांतक घटना के बारे में जानते हैं, जबकि हरिहर अनजान है और वह लगातार उसी के बारे में पूछ रहा है।

प्रश्न 12.
सर्वजया की रुलाई की आवाज का अंकन किस तरह किया गया और इसमें क्या सावधानी रखी गई?
उत्तर-
“पथेर पांचाली’ फिल्म के कुशल निर्देशक सत्यजीत राय ने सर्वजया की रूलाई की आवाज का अंकन तार शहनाई के तार-सप्तक में पद दीप राग से एक करुण स्वर की अभियोजना द्वारा किया है। इससे सलाई की वीभत्सता का परिहार हो गया है तथा करुण रस घनीभूत हो उठा है। इस शॉट में सावधानीपूर्वक संगीत के अतिरिक्त और किसी भी प्रकार की आवाज का प्रयोग नहीं किया गया है।

प्रश्न 13.
सत्यजीत राय ने चलचित्र को ‘भाषा’ कहा है? क्या आप ऐसे मानते हैं? क्या स्वयं सत्यजीत राय ‘भाषा’ के अनुरूप बिंब (इमेज) और शब्द (साउंड) का संयोजन चलचित्र के निर्देशन में कर पाये हैं? अपना मत दें।
उत्तर-
विद्वान् लेखक एवं विश्वविश्रुत निर्माता-निर्देशक सत्यजीत राय ने चलचित्र की कला एवं तकनीक पर विचार करते हुए स्पष्टता इसे ‘भाषा’ माना है। यद्यपि भाषा की वैज्ञानिक परिभाषा के आधार पर भले ही इस बात को लेकर कुछ आपत्तियाँ उठे, परंतु भाषा के उद्देश्य और प्रयोजन की दृष्टि से चलचित्र को भाषा मानने में कुछ खास हर्ज नहीं है। विचार-विनिमय जो भाषा का मुख्य प्रयोजन है, चलचित्र के माध्यम से पूरी तरह से पूरा होता है। अतएव इसे भाषा मानना युक्तियुक्त है। यह भाषा बिंब और शब्द के संयोजन से बनती है।

जहाँ तक सत्यजीत राय द्वारा चलचित्र के निर्देशन में भाषा के अनुरूप बिंब और शब्द के संयोजन का प्रश्न है, तो इसके उत्तर में कहा जा सकता है कि इस कार्य में उन्होंने भरसक दक्षता एवं निपुणता का

परिचय दिया है। तभी तो उनके द्वारा निर्देशित फिल्मों का कथ्य पूर्णतया स्पष्ट रूप में अभिव्यक्त हो सका है।

प्रश्न 14.
पाठ के आधार पर निम्नलिखित परिभाषित शब्दों के अर्थ स्पष्ट करें: एडिटिंग, शॉट्स, लांग शॉट, मिडशॉट, क्लोज अप, टिल्टिंग, फॉरवर्ड, पैनिंग, डिजॉल्व, फेड आउट, शूटिंग, मूविओला, पार्श्व संगीत, ट्रक बैक, ट्रक फॉरवर्ड।
उत्तर-
एडिटिंग-नाट्य-रचना के अनुसार विभिन्न परिवेशों का चुनाव करके उन परिवेशों में चरित्रों के अनुसार लोगों से अभिनय करा कर ली गई भिन्न-भिन्न तस्वीरों को चलचित्र के अनुसार क्रमबद्ध सजाना 'एडिटिंग' कहलाता है।

शॉट्स-फिल्म के अधिकतर अंश को एक ही दृष्टिकोण से न दिखाकर जो अलग-अलग खंडों में दिखाया जाता है, उन्हें ही 'शॉट्स' कहते हैं।

लांग शॉट-दूर के दृश्यों को दूरी तक दिखाना 'लांग शॉट्स' कहलाता है। . मिड शॉट-आदमी के सिर से पैर तक को तस्वीर में दिखाना 'मिडशॉट' कहलाता है।

क्लोज अप-व्यक्ति के सिर से कमर तक के हिस्से को चलचित्र की तस्वीरों में दिखाया जाना 'क्लोज अप' कहलाता है।

टिल्टिंग-कैमरे की दृष्टि को ऊपर-नीचे घुमाने की व्यवस्था 'टिल्टिग' कहलाती है।

फॉरवर्ड-दृश्य उपस्थित पात्रों के भाव-भंगिमा के अनुसार कैमरे का फोकस बदलना फॉरवर्ड कहलाता है।

पैनिंग-कैमरे की दृष्टि को अगल-बगल घुमाने की व्यवस्था को 'पैनिंग' कहते हैं।

डिजॉल्व-डिजॉल्व में पहले के शॉट और बाद के शॉट के बीच समयांतराल की स्थिति आती है।

फेड आउट-फेड आउट का अर्थ है पूर्णविराम अर्थात् किसी एक शॉट की समाप्ति।

शूटिंग-चलचित्र की नाट्य-रचना के अनुसार विभिन्न परिवेशों का चुनाव
या निर्माण करके उन परिवेशों में चरित्रों के अनुरूप लोगों से अभिनय
कराकर उनकी तस्वीरें खींचना 'शूटिंग' कहलाता है।

पार्श्व संगीत-पार्श्व संगीत से तात्पर्य है, वह संगीत, जो दृश्य के अंतर्गत आयोजित दिखाई नहीं पड़ता, किन्तु वह जारी रहता है और दर्शक या श्रोता को सुनाई पड़ता है। इसे नेपथ्य-संगीत के रूप में समझा जा सकता है।

ट्रक बैक-कैमरे के द्वारा दृश्य के पूर्व की स्थिति दिखलाने को ट्रक बैक कहते हैं।

ट्रक फारवर्ड-चल रहे दृश्य के साथ एकाएक आगे की-बाद की स्थिति दिखलाने को ट्रक फॉरवर्ड कहते हैं।

प्रश्न 15.
पाठ में किन प्रसंगों में 'क्लोज अप' का प्रयोग किया गया। इसके प्रयोग की क्या आवश्यकता थी?
उत्तर-
हमारी पाठ्य-पुस्तक दिगंत भाग-1 में संकलित 'चलत्रित' शीर्षक निबंध के लेखक विश्वख्यिात फिल्म निर्देशक सत्यजित राय हैं। इस पाठ में उनके द्वारा निर्देशित फिल्म 'पथेर पांचाली' का कुछ अंश लेखक के मंतव्य की पुष्टि एवं प्रमाण में उद्धत है। इसके अंतर्गत आवश्यकतानुसार कई प्रसंगों में 'क्लोज अप' का प्रयोग किया गया है।

https://www.evidyarthi.in/

यथा-प्रथमतः इंदिर ठकुरानी के ओसारे में चूल्हे पर चढ़ी हांडी के ढक्कन का उठना-गिरना, सर्वजया की उदास दृष्टि के प्रसंग में क्लोज अप का प्रयोग है। इससे एक ही करुण स्वर में छंद का वैचित्र्य उत्पन्न हो सका है। द्वितीयतः बिन्नी जब पैदल चलती हुई ओसारे के निकट आकर खड़ी होती है तो वह करीब-करीब क्लोज अप की स्थिति में है। इसी प्रकार हरिहर जब 'अपू' को पुकारता है, तो सर्वजया की जो शारीरिक प्रतिक्रिया है, उसमें भी क्लोज अप का प्रयोग है।

यहाँ क्लोज अप इसलिए आवश्यक था कि सर्वजया हरिहर की आवाज का जवाब नहीं देती, अतएव उसका हल्का-सा 'मूवमेंट' दिखाना प्रसंग की अपेक्षा थी। अंत में जब हरिहर अपने साथ आये हुए सामानों में से दो को दिखाने के बाद साड़ी दिखाता है। सर्वजया को दिखलाने में क्लोज अप प्रयुक्त है। इससे करुणा भाव की सघनता व्याप्त हो जाती है। इस प्रकार इस पाठ के अंतर्गत प्रसंगानुरूप एवं अवसरानुकूल क्लोज अप का प्रयोग किया गया है।

चलचित्र भाषा की बात

प्रश्न 1.
निम्नलिखित शब्दों का वचन पहचानें और उनका वचन परिवर्तित करें

शब्द	वचन	परिवर्तित रूप
सीढ़ियाँ	बहुवचन	सीढ़ी
कलाइयों	.....	.....
चीजें	.....	.....
धोती	.....	.....
साड़ी	.....	.....
तस्वीरें	.....	.....
गहराई	.....	.....
टोकरी	.....	.....

उत्तर-

प्रश्न 2.
निम्नलिखित शब्दों के प्रत्यय बताएं
उत्तर-

शब्द	वचन	परिवर्तित रूप
सीढ़ियाँ	बहुवचन	सीढ़ी
कलाइयों	बहुवचन	कलाई
चीजें	बहुवचन	चीज
धोती	एकवचन	धोतियाँ
साड़ी	एकवचन	साड़ियाँ
तस्वीरें	बहुवचन	तस्वीर
गहराई	एकवचन	गहराइयाँ
टोकरी	एकवचन	टोकरियाँ

शब्द	प्रत्यय	शब्द	प्रत्यय
चित्रत्व	त्व	निश्चिंतता	ता
सार्थक	अक	स्वाभाविक	इक
आंगिक	इक	वीभत्सता	ता
अवहेलना	ना		

प्रश्न 3.
निम्नलिखित वाक्यों से कोष्ठक में दिए गए निर्देश के अनुरूप पद चुनें
(क) सर्वजया साड़ी को कसकर पकड़ती है? (कर्म कारक)
(ख) सर्वजया रोती हुई फर्श पर लेट जाती है। (क्रिया)
(ग) चैत की प्रथम वर्षा में भींगने के कारण दुर्गा बीमार पड़ती है। (विशेषण)
(घ) सर्वजया बिना कुछ बोले सीढ़ी की ओर बढ़ जाती है। (संज्ञा)
(ङ) उसके गले की आवाज सुनकर सर्वजया कमरे से बाहर निकल कर आई। (संयुक्त किया)
उत्तर-
(क) साड़ी को।
(ख) लेट जाती है।
(ग) प्रथम, बीमार।
(घ) सर्वजया, सीढ़ी।
(ङ) निकलकर आई।

प्रश्न 4.
निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखें
संदेह, ध्वनि, भंगिमा, परिवेश, अवहेलना, अवलंबन, दुर्बल, यंत्र, निर्वाचन, व्यापक, परिवतर्न, अंगोछा, हतप्रभ, ऋतु, मौन, सुविधा, आग्रह, उपलब्धि, प्रारंभ, तस्वीर।
उत्तर-

https://www.evidyarthi.in/

शब्द	समानार्थी शब्द
संदेह	शंका, शक
ध्वनि	स्वर, आवाज, शब्द
भंगिमा	मुद्रा
परिवेश	वातावरण
अवहेलना	उपेक्षा, अनादर
अवलंबन	सहारा
दुर्बल	कमजोर, अशक्त
यंत्र	मशीन
निर्वाचन	चुनाव
व्यापक	विस्तृत
परिवर्तन	फेर-बदल
अंगोछा	गमछा
हतप्रभ	दंग, विस्मित, अवाक
ऋतु	मौसम
मौन	मूक, नि:शब्द
सुविधा	सहुलियत
आग्रह	अनुरोध, निवेदन
उपलब्धि	प्राप्ति
प्रारंभ	शुरूआत
तस्वीर	चित्र